Seventeenth Loksabha

p>

Title: Request the government to provide transportation to Ladhakh students so that they can reach their home.

श्री जामयांग त्सेरिंग नामग्याल (लद्दाख): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। कोरोना वायरस के चलते बहुत सारे स्टूडेंट्स को अपने देश में काफी दिक्कत हो रही हैं। खासतौर से लद्दाख से आए हुए स्टूडेंट्स, जो दिल्ली, बंगलुरु आदि शहरों में पढ़ाई कर रहे हैं, उनको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। 31 मार्च तक सभी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स बंद होने के कारण हॉस्टल से भी उनको जबरदस्ती निकाला जा रहा है। तुरंत लद्दाख जाने के लिए एयर टिकट काफी महंगा हो गया है। स्टूडेंट्स को कंसेशन के लिए सात दिन पहले टिकट बुक करना पड़ता है, लेकिन अब वह सात दिनों बाद टिकट बुक करेंगे या बाहर कहीं बैठेंगे? इनके पास इतने पैसे भी नहीं हैं। मैं आपके माध्यम से ऑनरेबल सिविल एवियेशन मिनिस्टर साहब से रिक्वेस्ट करना चाहूंगा कि जहां-जहां स्टूडेंट्स को ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत है और उनके लिए जो कंसेशन है, उसे इमीजिएटली लागू करें, ताकि उन्हें सात दिनों तक इंतजार न करना पड़े।

महोदय, मैं एक और महत्वपूर्ण बात उठाना चाहता हूं कि हमारे स्टूडेंट्स जहां-जहां पढ़ते हैं, वहां हमारी शक्ल-सूरत को देखकर हमें चिंकी और नेपाली बोलते थे, अब कोरोना-कोरोना बोलते हैं। मेरा आपके माध्यम से पूरे देशवासियों से निवेदन है कि रेशियल बेस्ड तंग न करें, हम भारतीय हैं और भारतीय ही रहेंगे। पहले भी भारतीय थे, अभी भी भारतीय हैं और आगे भी भारतीय रहेंगे।